

Dr. Madan Paswan, History. Lecture No. 32.० ग्रनानी लेखकों द्वारा उल्लिखित गणतंत्र राज्ञः -

1. अद्रैष्ठी - इसकी राजधानी प्रिम्पुल थी। यह गणराज्य रावी नदी के पास स्थित था।
2. कश्गान - इसकी राजधानी सकाल थी। यह गणराज्य लाहौर एवं अमृतसर के आस-पास स्थित था।
3. सौफ़िगट (सौभूति),
4. सिर्गोई (सिबी),
5. कुट्टक एवं मालव.
6. अग्रसेनी.
7. जम्नोई.
8. सामबस्ती (अम्बास्था)।

० अरौक के द्विलालेख में उल्लिखित गणराज्यः -

- |               |             |
|---------------|-------------|
| 1. कंबोज,     |             |
| 2. गंधार,     |             |
| 3. राष्ट्रिक, | 9. अपरांत,  |
| 4. लौता,      | 10. पर्दा,  |
| 5. कन्नौज,    | 11. आन्ध्र। |
| 6. पितिनिक,   |             |
| 7. नागक,      |             |
| 8. भोज,       |             |

० महत्वपूर्ण पारिभाषिक शब्दावली :-

**संभ्राणार :** गणतन्त्रात्मक शासन प्रणाली में प्रतिनिधियों की संस्था को संभ्राणार कहते हैं।

**शलाकाग्राहक :** विभिन्न रंग की शलाकाओं को एकत्र करने वाला शलाकाग्राहक (Polling officer) कहलाता था।

**महामात्र :** राज्य के प्रमुख अधिकारियों का वर्ग महामात्र कहलाता था।

**बलि :** राजा को उपहार, नजराना, भेंट आदि जो मिलता था, वह बलि कहलाता था।

**द्वीणमापक :** उपज में राजा के हिस्से की माप करने वाले द्वीणमापक कहलाते हैं।

**शतधनी :** एक प्रकार का अस्त्र।

**पंचालिका :** छोटी राजकुमारियों का खिलौना।

**वीरा :** राजकुमारों का खिलौना।